Today's Poem – 01.05-2014

बाबा कहते हैं तुम्हें पहला-पहला निश्चय चाहिए कि हमको पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है

जो ये समझे वही महान है

शान्ति का सागर, सुख का सागर एक बाप है

मनुष्य का सद्गति दाता भी एक बाप है

सबसे ऊँची मंज़िल एक बाप की याद पक्की हो जाए

बुद्धि और कोई की तरफ़ न जाये

जब तुम आत्म-अभिमानी बन जायेंगे

तो सब विकारी ख्यालात ख़त्म हो जायेंगे

ज्ञान से अपनी दृष्टि का परिवर्तन करना है

माया से बचकर रहना है

स्वमान की सीट पर सेट रहो

अचल अडोल रहो

शुक्रिया बाबा !!

ॐ शान्ति !!!